DR. APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY INDORE

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
प्रथम सेमेस्टर
विषय–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्रश्नपत्र प्रथम MAH101T

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई

ईकाइ –1

भारतीय काव्य शास्त्र, काव्य–लक्षण–प्रयोजन काव्य के प्रकार, रस सिद्धांत, रस के स्वरूप, रस निष्पत्ति , रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

ईकाइ –2

रीति सिद्धांत, रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाए। वक्रोक्ति सिद्धांत, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यजनावाद।

ईकाइ –3

ध्वनि सिद्धांत, ध्वनि के स्वरूप, ध्वनि –सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाए, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद,गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।

ईकाइ –4

हिन्दी रीतिकालीन कवि– आचार्यो का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि–षिक्षा

ईकाइ –5

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉः षास्त्रीय व्यक्तिवादी/ सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक तुलनात्मक, मनोविष्लेषणवादी, सौदर्यषास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजषास्त्रीय।

DR. APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY INDORE

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
प्रथम सेमेस्टर
प्रचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास
प्रश्नपत्र द्वितीय MAH102T

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई

पाठ्य विषय :–

इकाई–1 व्याख्याश–

1. विघापति–20 पद(विघापति, जयभारती प्रकाषन,इलाहबाद)

पद क्रमांकः–1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39

2. कबीर– कबीर ग्रंथावली–डॉ0 श्यामसुंदर दास
   गुरूदेव को अंग(साखी क्रमांक 1 से 10) सुमिरण को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) ज्ञान–विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10),परचा को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10)
   जायसी–पद्मावत–सम्पादक –आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   (मानसरोदक खण्ड एव नागमती वियोए खण्ड) उपसंहार संपूर्ण।

इकाई–2

विघापति एवं कबीर से संबधित आलोचनात्मक प्रष्न।

ईकाई–3

जायसी से संबधित आलोचनात्मक प्रष्न।

ईकाई–4

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियॉ एवं रचनाकारो से सबधित प्रष्न।

ईकाई–5

द्रुतपाठ के कवि–गोरखनाथ,अमीर खुसरो,नंददास, रैदास नामदेव से संबधित लघुउत्तरीय प्रष्न।

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3×8=24
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रष्न	16
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रष्न	15
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रष्न	15
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रष्न	3×5=15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3×9=27
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रष्न	20
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रष्न	20
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रष्न	18
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रष्न	3×5=15
			100

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
प्रथम सेमेस्टर
MAH103T
आधुनिक हिन्दी गघ और उसका इतिहास

इकाई–1 उपन्यास और कहानी

व्याख्यांष

1– गोदान–प्रेमचन्द्र

2–रागदरबारी –श्रीलाल शुक्ल

3–रूकोगी नही राधिका –उषा प्रियंवदा

4–कथायात्रा–सं. डॉ राजेन्द्र मिश्र– तक्षषिला प्रकाषन, नई दिल्ली ।

इकाई–2

गोदान अथवा रागदरबारी से आलोचनात्मक प्रष्न

इकाई–3

रूकोगी नही राधिका अथवा कथायात्रा से आलोचनात्मक प्रष्न ।

इकाई–4

उपन्यास और कहानी का इतिहास और उसकी विविध प्रवृत्तियॉ।

इकाई–5 – द्रुतपाठ

मृदुला गर्ग, यषपाल, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, कमलेष्वर से संबधिन लघुउत्तरीय प्रष्न।

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3×8=24
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रष्न	16
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रष्न	15
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रष्न	15
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रष्न	3×5=15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3×9=27
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रष्न	20
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रष्न	20
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रष्न	18
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रष्न	3×5=15
			100

DR. APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY INDORE

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–चतुर्थ
प्रयोजनमूलक हिन्दी MAH104T

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई

इकाई–1

कामकाजी हिन्दी –

1. हिन्दी के विभिन्न रूप –सर्जनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा माध्यय भाषा, मातृभाषा ।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण पत्र–लेखन,सक्षेपण,पल्लवन,टिप्पण ।
3. परिभाषिक शब्दावली–स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई–2

हिन्दी कम्यूटिंग

1. कम्यूटरः परिचय रूपरेखा,उपयोग तथा वेब पब्लिषिंग का परिचय ।
2. इंटरनेटः–संपर्क उपकरणो का परिचय, प्राथमिक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेब पब्लिकेषन ।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप ।
5. लिंक,ब्राउजिंग पोर्टल,ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग के साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई–3

1. अनुवाद– स्वरूप ,क्षेत्र,प्रक्रिया और प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका ।
3. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद ।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद ।
5. विज्ञापन में अनुवाद।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद ।

इकाई–4

1. वाणिज्यिक, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौघौगिकी क्षेत्र.में अनुवाद ।
2. विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
3. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास ।
4. कार्यालयीन अनुवाद–एवं प्रषासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि।
5. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदन के अनुवाद ।

इकाई–5

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
2. विधि सहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
3. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार :–कविता, कहानी,नाटक
4. सारानुवाद 5 –दुभाषिया प्रविधि 6 अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

अंक विभाजन–नियमित
पाचो इकाई से पाच निबंधात्मक प्रष्न 17–17 अंको के।

अंक विभाजन –स्वाध्यायी
इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रष्न प्रत्येक –20 अंक
इकाई 5 टिप्पणी 10+10= 20

DR. APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY INDORE

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
द्वितीय सेमेस्टर
विषय–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्रश्नपत्र प्रथम MAH201T

ईकाइ –1
प्लेटो : काव्य –सिद्धांत
अरस्तू अनुकरण–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन,विरेचन सिद्धांत
लोजाइनस : उदात्त की अवधारणा

ईकाइ –2
ड्राइडन के काव्य सिद्धांत
वड्र्सवर्थ काव्य–भाषा का सिद्धांत
कालरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित–कल्पना

ईकाइ –3

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी.एस.इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिकता का सिद्धांत , वस्तुनिष्ठ समीकरण, सवेदनषीलता का असाहचर्य ।
आई.ए.रिच्र्डस : रागात्मक अर्थ । संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

ईकाइ –4
सिद्धांत और वाद : अभिजात्सवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद मनोविष्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

ईकाइ –5
आधुनिक समीक्षा की विषिष्ट प्रवृत्तियॉ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर अधुनिकतावाद।

DR. APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY INDORE

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र द्वितीय
प्रचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास MAH202T

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई

इकाई–1 व्याख्याष–

सूरदास :– भ्रमरगीत सार –संपादक रामचंद शुक्ल , पद क्रमांक 51 से 100 तक ।

तुलसीदासः–विनय पत्रिका –गीता प्रेस गोरखपुर

पद क्र.

1,5,41,66,73,79,87,90,94,98,100,101,102,105,111,115,120,123,124,149,155,162,163,165,166,17,2,174,198, 199,237,242,268,276।

बिहारी–बिहारी रत्नाकर –संपादक जगन्नाथ रत्नाकर,दोहा, क्रमांक 1 से 50।

इकाई–2

सूर,एवं तुलसी से संबधित आलोचनात्मक प्रष्न ।

ईकाई–3

बिहारी और घनानंद से संबधित आलोचनात्मक प्रष्न ।

ईकाई–4

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा)एवं रितीकाल का इतिहास, प्रवृत्तीयॉ और प्रमुख रचनाकारो से सबधित प्रष्न।

ईकाई–5

द्रुतपाठ के कवि–मीराबाई,रहीम,रसखान,भूषण और केषव से संबधित लघुउत्तरीय प्रष्न।

अंक विभाजन –नियमित

इकाई 1	–	व्याख्या	3×8=24
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रष्न	16
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रष्न	15
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रष्न	15
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रष्न	3×5=15
			85

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

इकाई 1	–	व्याख्या	3×9=27
इकाई 2	–	आलोचनात्मक प्रष्न	20
इकाई 3	–	आलोचनात्मक प्रष्न	20
इकाई 4	–	आलोचनात्मक प्रष्न	18
इकाई 5	–	लघुउत्तरीय प्रष्न	3×5=15
			100

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र तृतीय
आधुनिक हिन्दी गघ और उसका इतिहास
नाटक और निबंध MAH203T

इकाई–1 उपन्यास और कहानी
व्याख्यांष
1– स्कंदगुप्त
2–आधेअधूरे
3–अंधायुग (काव्य नाटक)धर्मवीर भारती

निंबध

1. देष सेवा का महत्व –बालकृष्ण भट्ट
2. म्यूनिसीपलेटी के कारनामें– महावीर प्रसाद द्विवेदी।
3. काव्य में लोगमंगल की साधनावस्था–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. अषोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विघानिवास मिश्र
6. प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय
7. पगडण्डियों का जमाना– हरिषंकर परसाई

इकाई–2
स्मंदगुप्त तथा आधे–अधूरे से आलोचनात्मक प्रष्न ।

इकाई–3
अंधा युग तथा निर्धारित निबंधो से आलोचनात्मक प्रष्न।

इकाई–4
नाटक और निबंध का इतिहास और विभिन्न प्रवृतितयॉ। निबंध आर गघ की विधाओं : (संस्मरण, रेखाचित्रयात्रावृत्त व्यंग्य) पर आलोचना प्रष्न।

इकाई–5 – द्रुतपाठ
दुनपाठ हेतु निम्नलिखित गघकारों पर केद्रित दो लघुउत्तरीय प्रष्न पूछे जाऐगें।

DR. APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY INDORE

एम.ए हिन्दी साहित्य
सत्र 2016 से प्रभावशील
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–चतुर्थ
प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता और मीडिय लेखन MAH204T

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई

इकाई–1

पत्रकारीता :– स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार–लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रफ शोधन ।

इकाई–2

पत्रकारिता:–षीर्षक की संरचना, लीड,इन्ट्रो एवं शीर्षक संपादन
संपादकीय लेखन : पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार,पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन,प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता

इकाई–3

मीडिया लेखन : जनसंचार प्रौघोगिकी एवं चुनौतियॉ । विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण, श्रव्य,दृष्य –श्रव्य,इंटरनेट ।
श्रव्य माध्यम–रेडियो :–मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

इकाई–4

दृष्य श्रव्य माध्यम : (फिल्म, टेलीविजन,विडियों) दृष्य माध्यमों (वायस ओवर) टेली, ड्रामा,डाक्यु डामा ,संवाद, लेखन, इंटरनेट सामग्री सृजन।

इकाई–5

पटकथा लेखन और उसके विविध रूप : साहित्य की विधाओं का दृष्य माध्यमों में रूपांतरण विज्ञापन के विविध रूप।

अंक विभाजन–नियमित
पाचो इकाई से पाच निबंधात्मक प्रष्न 17–17 अंको के।

अंक विभाजन –स्वाध्यायी
इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रष्न प्रत्येक –20 अंक
इकाई 5 टिप्पणी 10+10= 20